18-10-26 VNS PG-12 BACK PAGE.qxd 17-10-2026 22:12 Page 1

बोले सितारे

साप्ताहिक राशिफल- १८ से २५ अक्तूबर , २०२६

मेष -

मेष राशि के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है, लेकिन आप चाहें तो अपने आचरण एवं व्यवहार की मधुरता और सामंजस्य से भाग्योन्नति कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी महिला मित्र की मदद से पिछले रुके हुए कार्य पूर्ण होने की संभावना है। इस दौरान परिजनों एवं भाई-बहनों से सहयोग न मिल पाने के कारण मन थोड़ा उदास रहेगा। व्यापारी वर्ग के लिए आय-व्यय समान रहने की संभावना है। इस दौरान कठिन परिश्रम, संयम एवं प्रयास से ही कोई बड़ा कार्य संपन्न हो पाएगा। संतान पक्ष को लेकर मन चिंतित रहेगा। मित्रों के साथ भी कोई गलतफहमी आपकी चिंता का बढ़ा सकती है। सप्ताह के अंत में छोटी यात्रा का भी योग बनेगा। प्रेम संबंधों को बेहतर बनाए रखने के लिए एक-दूसरे की कमी निकालने की बजाय गलतफहमियों को संवाद के जरिए दूर करें। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। मौसमी बीमारी के प्रति सचेत रहें।

उपाय- घर में बन पहली रोटी गाय को खिलाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

वृष -

वृष राशि के जातकों को इस सप्ताह व्यर्थ के वाद-विवाद से स्वयं को दूर रखने की जरूरत है, अन्यथा कोर्ट-कचहरी तक के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। परिजनों एवं करीबी रिश्तेदारों का सुख-सहयोग मध्यम रहेगा। आलस्य से बचें और अपने प्लान के अनुसार ही कार्य करें। अपनी दिनचर्या सही रखें अन्यथा सेहत संबंधी समस्याएं आपकी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती हैं। खान-पान का विशेष ख्याल रखें। इस सप्ताह कॅरिअर कारोबार में बहुत ध्यान देने की जरूरत है, अन्यथा बनती बात बिगड़ सकती है। लापरवाही के कारण व्यर्थ की उलझनें पैदा हो सकती हैं। व्यापार में थोड़ा बहुत उतार चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम संबंधों में लव पार्टनर के साथ बेहतर समय बिताने के मौके मिलेंगे। भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

उपाय- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें और मंगलवार के दिन हनुमान जी को प्रसाद में गुड़-चना चढ़ाएं और से लोगों में बांटें।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उत्तम फल देने वाला साबित होगा। पूरे सप्ताह सौभाग्य और परिजनों का पूरा साथ मिलेगा। जिससे आत्मबल व इच्छाशक्ति में वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए भी यह सप्ताह सामान्य से अधिक फलदायी रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को बहुप्रतीखित प्रमोशन मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में सीनियर्स का भी सहयोग मिलेगा। किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से जमीन-जायदाद संबंधी कार्य पूर्ण होंगे व लाभ मिलेगा। छात्रों को सप्ताह के अंत तक कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। महिलाओं का सामाजिक व धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। लव पार्टनर के साथ बेहतर समय व्यतीत करेंगे। लव पार्टनर से कोई सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है। प्रेम संबंध विवाह में तब्दील हो सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

उपाय- शनिवार के दिन पक्षियों को विशेष रूप से दाना डालें। हनुमत उपासना करें।

कर्क-

कर्क राशि वालों के लिए भी यह सप्ताह पिछले सप्ताह के मुकाबले और बेहतर होता नजर आएगा। कार्यक्षेत्र में सीनियर्स के साथ मेल-जोल बढ़ेगा, अधिकारियों से घनिष्ठता बढ़ेगी साथ ही जनसंपर्क में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों को नया और बड़ा पद मिल सकता है। कारोबार में अप्रत्याशित लाभ या फिर बाजार में अटका हुआ धन मिल सकता है। छात्रों को उनके श्रम के अनुसार सफलता मिलने के पूरे योग हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए भी यह सपताह उत्तम फल देने वाला होगा। मित्रों और परिजनों को उन्हें खूब सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में भावनाओं में बहने से बचें, अन्यथा आप मुश्किल में पड़ सकते हैं। जीवनसाथी की भावनाओं की अनदेखी करने से बचें और उसके लिए कुछ समय जरूर निकालें। नशे से दूर रहें और वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं।

उपाय- गुरुवार के दिन बेसन के लड्डू किसी ब्राह्मण को दान करें। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

सिंह -

सिंह राशि के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही उत्तम और फलदायक सिद्ध होने के संकेत दे रहा है। वैचारिक प्रखरता के साथ ही आपका आत्मबल बढ़ेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में विजय मिलेगी। शत्रु पक्ष स्वयं आपसे समझौता करने को राजी होगा। परिजनों का पूरा सुख व सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आय के नये स्रोत बनेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में बेहतर काम के लिए सम्मानित किया जा सकता है। बेरोजगारों को नये रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। सप्ताह के मध्य में अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें। खान-पान पर विशेष ध्यान देना होगा, अन्यथा अस्पताल के चक्कर भी लगाने पड़ सकते हैं। लव पार्टनर के साथ चली आ रही तकरार खत्म होगी और सामंजस्य बढ़ेगा। माता की सेहत को लेकर मन कुछ चिंतित रहेगा।

उपाय- प्रतिदिन सूर्यदेवता को अर्घ्य दें और लक्ष्मी नारायण की पूजा करें।

कन्या -

कन्या राशि के जातक यदि चाहें तो थोड़े से धैर्य, मेहनत और गंभीरता के साथ इस सप्ताह मिलने वाले सभी शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। इस सप्ताह आपको आलस्य का त्याग करना होगा, तभी आपके लिए यह सप्ताह उत्तम फल प्रदान करने वाला बनेगा, अन्यथा बनते कार्य बिगड़ने की भी आशंका है। व्यापार में पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचें।नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रहेगा। खुद को गलत कार्यों से दूर रखने का प्रयास करें तो अच्छा फल मिल सकता है। परिजनों व मित्रों से वाद-विवाद से बचें। महिलाओं को हड्डी से जुड़े रोग सता सकते हैं। प्रेम संबंधों में आ रही मुश्किले कम होंगी। हालांकि प्रेम की डगर पर संभलकर कदम आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। पति-पत्नी के बीच सौहार्द बना रहेगा।

उपाय - गणपति की उपासना करें। गाय का हरा चारा डालें अथवा इसके निमित्त धन दान करें।

तुला -

तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा व सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग को व्यवसाय में प्रगति के नये अवसर प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को विशेष सफलता एवं लाभ मिलेगा। जमीन-जायदाद से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकलेगा। लंबे समय से कहीं पर फंसा धन निकल सकता है। हालांकि आपको अभी धन का प्रबंधन करके आगे बढ़ने की जरूरत है। मानसिक एकाग्रता बनाए रखेंगे तो यह सप्ताह अत्यंत शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। प्रेम संबंधों से जुड़ी सारी गलतफहमियां दूर होंगी और भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। प्रत्येक कार्य में जीवनसाथी और पिता की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

उपाय- सूर्योदय से पहले उठें और स्नान के बाद पीपलमें जल डालें। विष्णु सहस्त्रनामका पाठ करें।

वृश्चिक -

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिला-जुला साबित होने जा रहा है। सप्ताह की शुरुआत में जहां एक ओर शुभ फलों के संकेत हैं वहीं सप्ताह के मध्य में कार्यों में मिलने वाली कुछ कठिनाईयों के चलते मन थोड़ा खिन्न रहेगा। कठिन परिश्रम और विवेक का इस्तेमाल करके ही आप अपने टारगेट्स को प्राप्त कर सकते हैं। साहस व आत्मबल से इच्छित सफलता अवश्य मिल सकती है। कानूनी मामलों में सफलता के संकेत हैं, परिणाम अनुकूल रहेंगे। शत्रु पक्ष कमजोर होगा। सुख एवं सुविधाओं पर जेब से ज्यादा धन खर्च संभव है। महिलाओं व विद्यार्थियों के लिए यह सप्ताह थोड़ा मध्यम साबित होगा। इस सप्ताह यदि संभव व हो तो यात्रा करने से बचें। यदि निकलें तो सेहत और सामान दोनों का विशेष ख्याल रखें। कठिन समय में लव पार्टनर का पूरा साथ बना रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

उपाय- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें। मंगलवार के दिन मसूर की दाल का दान करें।

धनु -

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम से कम फलदायी है। ऐसे में आप अपनी सेहत, कामकाज आदि पर विशेष ध्यान दें। मनमानी प्रवृत्तियों का त्याग करें तथा अनियमित दिनचर्या को व्यवस्थित करें अन्यथा किसी नये रोग के शिकार हो सकते हैं। मानसिक स्थिरता बनाए रखने के लिए विवादों से दूर रहें और किसी के बहकावे में आने से बचें। धन का विशेष रुप से प्रबंधन करें, अन्यथा उधार मांगने की नौबत आ सकती है। कारोबार में सोच-समझ कर ही बड़ी राशि का निवेश करें। महिलाओं को पेट से संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। खान-पान का विशेष ख्याल रखें। परिजनों एवं पड़ोसियों से मधुर व्यवहार बनाए रखें। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। कठिन समय में जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा।

उपाय - शनि से संबंधित चीजों का शनिवार के दिन दान करें। सुंदरकांड का पाठ करें।

मकर -

मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह बहुत ज्यादा संभल कर कोई कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में किसी तरह की लापरवाही से बचें और गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों को यदि बाहर निबटा लें तो बेहतर रहेगा। सप्ताह के मध्य में किसी विशेष कार्य में रुकावट आने से मन खिन्न रहेगा। इस दौरान सेहत को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही करने से बचें। आर्थिक मामलों मे सोच-समझकर निर्णय लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। अपनी कमियों को दूसरों के सामने उजागर करने से बचें। प्रेम संबंधों में इस बात का पूरा ख्याल रखें कि सकारात्मक सोच से ही मधुरता बढ़ेगी, अन्यथा बनी बात बिगड़ सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं की अनदेखी न करें।

उपाय- शनिवार के दिन अपना पहना हुआ जूता किसी गरीब व्यक्ति को दान कर दें। हनुमान चालीसा का प्रतिदिन पाठ करें।

कुंभ -

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बीते सप्ताह के मुकाबले काफी बेहतर साबित होने जा रहा है। भाग्य और कर्म का सहयोग मिलने से आपका मनोवांछित सफलता मिलेगी। मान-सम्मान व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य पूर्ण होंगे। विदेश से जुड़े काम करने वालों को अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यापारियों के लिए भी व्यवसाय में प्रगति होगी व लाभ प्राप्त होगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। पराक्रम में वृद्धि होगी व मित्रों से कार्यों मे पूरा सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में चली आ रही परेशानियों में कमी आएगी। किसी महिला मित्र की मदद से उलझनों को सुलझाने में मदद मिलेगी। जीवनसाथी के सकारात्मक सहयोग मिलेगा। सप्ताह के उत्तरार्द्ध में बंधु-बांधवों से विवाद करने से बचें। यथासंभव यात्राओं को टालने का प्रयास करें और वाहन को सावधानीपूर्वक चलाएं।

उपाय- सुंदरकांड का पाठ करें और शनिवार के दिन किसी दिव्यांग को काला कंबल, काला कपड़ा आदि का दान करें।

मीन -

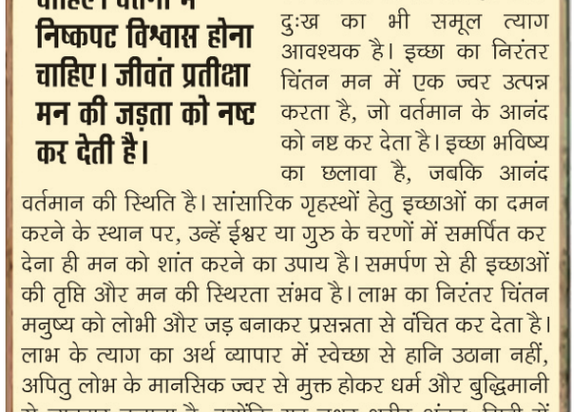
इस सप्ताह मीन राशि को सौभाग्य का पूरा साथ मिलने जा रहा है। नौकरीपेशा लोगों को बड़े पद की प्राप्ति और बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा। कॅरिअर कारोबार में मनचाही प्रगति मिलने के संकेत हैं व लाभ भी प्राप्त होगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी व शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी, जिससे सामाजिक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी। हालांकि इस सप्ताह आपको अपने सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहना होगा। विशेष रूप से अपना खान-पान ठीक रखें, अन्यथा अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से खुद को दूर रखें। महिलाओं कर धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। लव पार्टनर के साथ बेहतर समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी की तरफ से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

उपाय - भगवान विष्णु की प्रतिदिन पीले पुष्प से पूजा करें एवं प्रसाद में पीले रंग की मिठाई चढ़ाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ भी करें।



महाअष्टमी

शारदीय नवरात्र में महाअष्टमी का विशेष महत्व है। इस दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा की जाती है। भक्त माता रानी के चरणों में फूल और बेलपत्र अर्पित करके सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की प्रार्थना करते हैं। महाअष्टमी पर पुष्पांजलि अर्पित करना पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अष्टमी-नवमी तिथि पर विधि-विधान से पूजा करने, दुर्गा सप्तशती का पाठ और कन्या पूजन करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्ति होती है। इस तिथि पर छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनकी पूजा होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर को सुबह 8 बजकर 27 मिनट से आरंभ हो रही है और इसका समापन 19 अक्तूबर को सुबह 10 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर अष्टमी तिथि 19 अक्टूबर को मनाई जा रही है। अष्टमी तिथि पर कन्या पूजन का समय 19 अक्तूबर को सुबह 08 बजकर 29 मिनट से लेकर 10 बजकर 16 मिनट तक कर सकते हैं। शारदीय नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि का विशेष धार्मिक महत्व होता है। अष्टमी-नवमी तिथि पर कन्या पूजन और हवन करने का विशेष महत्व होता है। अष्टमी तिथि पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-आराधना होती है, अष्टमी तिथि पर भक्त मां महागौरी की पूजा करते हैं। देवी महागौरी को सौम्यता और करुणा की प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि अष्टमी के दिन विधिपूर्वक उनकी पूजा और उनकी कथा का पाठ करने से जीवन में आ रही कठिनाइयां दूर होती हैं। साथ ही मानसिक शांति और आर्थिक उन्नति प्राप्त होती है। माता महागौरी का वाहन वृषभ है और वे श्वेत वस्त्र धारण करती हैं। उनका यह स्वरूप भक्तों को सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि देता है। मां महागौरी का रंग अत्यंत उज्ज्वल और गोरा है। यही कारण है कि उन्हें महागौरी कहा जाता है। उनका स्वभाव कोमल और दयालु है। माता के चार भुजाओं में से दो में त्रिशूल और डमरू हैं, जबकि अन्य दो हाथ अभय और वर मुद्रा में रहते हैं। उनके श्वेत वस्त्र और दिव्य आभा को देखकर भक्त उनकी ओर आकर्षित हो जाते हैं। शास्त्रों में उन्हें श्वेतांबरधरा और अन्नपूर्णा का स्वरूप भी कहा गया है। मान्यता के अनुसार देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक कठोर तप किया।





इच्छा, दुःख और लाभ से मुक्ति

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

सुख, दुःख, इच्छा और लाभ -ये केवल बाह्य परिस्थितियाँ नहीं, वरन मानवीय मन के आंतरिक रुझान और वृत्तियाँ हैं। जीवन की वास्तविक साधना इन चारों वृत्तियों के प्रति आसक्ति के परित्याग में निहित है। जब मनुष्य सुख को बलपूर्वक पकड़ने की चेष्टा करता है, तब वही सुख दुःख में परिणत हो जाता है। अतः सुख की चाह का त्याग ही श्रेयस्कर है, जिससे दुःख स्वतः लुप्त हो जाता है। दुःख के आगमन पर विचलित हुए बिना, त्याग और समर्पण के माध्यम से उससे दूरी बनाना ही स्वाभाविक मार्ग है। मानव मन की एक विकृति यह भी है कि वह दुःख में भी एक प्रकार के विकृत रस का अनुभव करने लगता है। लोग चिकित्सकों द्वारा किसी गंभीर व्याधि की घोषणा पर आंतरिक संतुष्टि का अनुभव करते हैं अथवा चलचित्रों में दुखांत दृश्यों को देखकर आनंद पाते हैं। अतः दुःख का भी समूल त्याग आवश्यक है। इच्छा का निरंतर चिंतन मन में एक ज्वर उत्पन्न करता है, जो वर्तमान के आनंद को नष्ट कर देता है। इच्छा भविष्य का छलावा है, जबकि आनंद वर्तमान की स्थिति है। सांसारिक गृहस्थों हेतु इच्छाओं का दमन करने के स्थान पर, उन्हें ईश्वर या गुरु के चरणों में समर्पित कर देना ही मन को शांत करने का उपाय है। समर्पण से ही इच्छाओं की तृप्ति और मन की स्थिरता संभव है। लाभ का निरंतर चिंतन मनुष्य को लोभी और जड़ बनाकर प्रसन्नता से वंचित कर देता है। लाभ के त्याग का अर्थ व्यापार में स्वेच्छा से हानि उठाना नहीं, अपितु लोभ के मानसिक ज्वर से मुक्त होकर धर्म और बुद्धिमानी से व्यवहार चलाना है, क्योंकि यह नश्वर शरीर अंततः मिट्टी में विलीन होने वाला है। आध्यात्मिक प्रगति में काले प्रतीक्षमाणे अर्थात् धैर्यपूर्वक काल की प्रतीक्षा का विशेष महत्त्व है। किसी शिक्षक या गुरु द्वारा निर्दिष्ट नियमों और विधियों का धैर्य पूर्वक अभ्यास किया जाना चाहिए। चेतना में निष्कपट विश्वास होना चाहिए। जीवंत प्रतीक्षा मन की जड़ता को नष्ट कर देती है। प्रतीक्षा के सिद्धांत का पालन करते हुए, हमें अपने जीवन को व्यर्थ के कार्यों में नहीं गंवाना चाहिए। एक सच्चा प्रेमी और साधक सदैव उपयोगी कर्मों में लीन रहकर संपूर्ण वातावरण को शांति, सामरस्य और प्रेम के परमाणुओं से शुद्ध करता है, जिससे समाज में व्याप्त क्रोध और दुःख की ऊर्जा स्वतः विलीन होने लगती है।

आध्यात्मिक प्रगति में काले प्रतीक्षमाणे अर्थात् धैर्यपूर्वक काल की प्रतीक्षा का विशेष महत्त्व है। किसी शिक्षक या गुरु द्वारा निर्दिष्ट नियमों और विधियों का धैर्य पूर्वक अभ्यास किया जाना चाहिए। चेतना में निष्कपट विश्वास होना चाहिए। जीवंत प्रतीक्षा मन की जड़ता को नष्ट कर देती है।

